भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 609

जिसका उत्तर 06 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

प्रकाशा-बुराई लिफ्ट सिंचाई परियोजना, नंदुरबार, महाराष्ट्र

609. एडवोकेट गोवाल कागडा पाडवीः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र के नंदुरबार तालुका और जिले में प्रकाशा-बुराई लिफ्ट सिंचाई परियोजना काफी समय से लंबित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि संपूर्ण नंदुरबार तालुका और पड़ोसी तालुका पानी की कमी के कारण धीरे-धीरे सूखा-प्रवण क्षेत्र बनते जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली शेष निधियों पर विचार करते हुए इस परियोजना के लिए अपेक्षित निधियों का 40 प्रतिशत या उससे अधिक आबंटित करने और जारी करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त परियोजना के लिए निधियां आबंटित और वितरित कर दी गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या नंदुरबार लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र को सूखा-प्रवण क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किए जाने से रोकने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क) से (घ): जल राज्य विषय होने के नाते, सिंचाई परियोजनाओं की योजना बनाना, उन्हें कार्यान्वित करना, संचालित करना और प्रबंधित करना और राज्य में सिंचाई प्रणाली को अधिक व्यापक बनाने हेतु कार्य योजना तैयार करना संबंधित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी होती है। इस संबंध में, भारत सरकार की भूमिका तकनीकी सहयोग प्रदान करने और जारी योजनाओं के अंतर्गत पहचान की गई परियोजनाओं के लिए आंशिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तक सीमित है। इसके अलावा, इस मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा अंतर-राज्य नदी प्रणालियों की प्रमुख और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन किया जाता है।

महाराष्ट्र के नंदुरबार तालुका और जिले में प्रकाशा-बुराई लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण महाराष्ट्र सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से किया जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया

है कि परियोजना के लिए 793.95 करोड़ रुपये का संशोधित प्रशासनिक अनुमोदन मार्च 2024 में प्रदान किया गया है। परियोजना पर अब तक 121.94 करोड़ रुपये की राशि का व्यय किया गया है। इस परियोजना में महाराष्ट्र के नंदुरबार और धुले जिलों के 7,085 हेक्टेयर सूखा प्रभावित क्षेत्र की सिंचाई किए जाने की क्षमता है।

प्रकाशा-बुराई लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराने संबंधी कोई प्रस्ताव महाराष्ट्र सरकार की ओर से इस मंत्रालय को प्राप्त नहीं हुआ है।

केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्लयूबी) महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले सहित देशभर में क्षेत्रीय स्तर पर भूजल स्तर की प्रत्येक वर्ष में चार बार निगरानी करता है। नवंबर 2024 में महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में मापे गए जिला-वार जल स्तर की जानकारी अनुलग्नक -I पर दी गयी है। इसके आंकड़ों की समीक्षा से पता चलता है कि नंदुरबार जिले में, लगभग 84% विश्लेषित कुओं का जल स्तर 0-10 मीटर (एमबीजीएल) की सीमा में आते हैं।

दशकीय उतार-चढ़ाव अर्थात्, नवंबर 2024 की तुलना में पिछले दस वर्षों (2014-2023) के नवंबर जल स्तर के दशकीय औसत से करने पर पता चलता है कि जमीन के पानी के स्तर में दीर्घकालिक उतार-चढ़ाव यह दर्शाता है कि नंदुरबार जिले के 78% कुओं में जल स्तर में वृद्धि हो रही है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में दशकीय जल स्तर के उतार-चढ़ाव की जानकारी को भी **अनुलग्नक-I** पर दर्शाया गया है।

(ड.): भारत सरकार द्वारा महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की सिंचाई विकास और भूजल संवर्धन हेतु उठाए गए कदमों का विवरण निम्नानुसार है:-

1. महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) घटक के अंतर्गत 18,461 हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई का विकास किया गया है।
2. 16,383 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल करते हुए महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले की चार परियोजनाओं को पीएमकेएसवाई के जलाशय विकास (डब्ल्यू डी) घटक के तहत स्वीकृत किया गया है।
3. सीजीडब्ल्यूबी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले सहित लगभग 25 लाख वर्ग किलोमीटर के समग्र मैपिंग योग्य क्षेत्र में राष्ट्रीय जलधारा मानचित्रण (एनएक्यूयूआइएम) परियोजना को पूर्ण कर लिया है। जलधारा के मानचित्र और प्रबंधन योजनाओं को तैयार कर लिया गया है और कार्यान्वयन हेतु संबंधित राज्य एजेंसियों के साथ साझा किया गया है। प्रबंधन योजनाओं में मांग और आपूर्ति पक्ष कार्यकलाप के माध्यम से विभिन्न जल संरक्षण उपायों को शामिल किया गया है।
4. एनएक्यूयूआईएम अध्ययन के तहत क्षमता निर्माण के रूप में, 2019 में नंदुरबार और शाहदा तालुकों में कुल दो टियर-III प्रशिक्षण (ब्लॉक स्तर प्रशिक्षण) आयोजित किए गए जिसमें 237 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 2021 में धुले जिले के शिरपुर तालुका में 47 प्रतिभागियों के साथ एक सार्वजनिक इंटरैक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य एजेंसी द्वारा भारत जल सप्ताह-2015 (आईडब्ल्यूडब्ल्यू-2015)

के दौरान नंदुरबार जिले में 'सतत विकास हेतु जल प्रबंधन' विषय पर 'हमारा जल- हमारा जीवन' एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

5. सीजीब्ल्यूबी ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ परामर्श करके भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण हेतु मास्टर योजना-2020 तैयार की है, जो देश की विभिन्न भूभाग स्थितियों के लिए विभिन्न संरचनाओं को दर्शाने वाली एक मैक्रो स्तर की योजना है, जिसमें अनुमानित लागत भी शामिल है। इस मास्टर योजना में देश में 185 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) मानसून वर्षा के उपयोग के माध्यम से लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण की परिकल्पना की गई है। इस मास्टर योजना में महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के संबंध में, 25,755 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का प्रस्ताव किया गया है।

***

<u>अनुलग्नक-I</u>

"प्रकाशा-बुराई लिफ्ट सिंचाई परियोजना, नंदुरबार, महाराष्ट्र" के संबंध में दिनांक 06.02.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 609 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

क. महाराष्ट्र में नंदुरबार जिले में वर्ष 2024 के मानसून पश्चात अवलोकित कुओं के प्रतिशत के जल स्तर वितरण की गहराई (अविकसित जलभृत)

जिले का नाम	विश्लेषित कुओं की संख्या	जल स्तर (एमबीजीएल) की रेंज में की गहराई की प्रतिशतता दर्शाने वाले कुओं की संख्या											
		0 से 2		2 से 5		5 से 10		10 से 20		20 से 40		> 40	
		संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%	संख्या	%
नंदुरबार	19	1	5.3	13	68.4	2	10.5	3	15.8	0	0.0	0	0.0

ख. वर्ष 2014 से 2023 तक के बाद के मानसून के औसत और 2024 के बाद के मानसून (महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले) के बीच जल स्तर में परिवर्तन का वर्गीकरण

जिले का नाम	विश्लेषित कुओं की संख्या	जल स्तर (एम) की रेंज में की उतार-चढ़ाव की प्रतिशतता दर्शाने वाले कुओं की संख्या											
		वृद्धि						गिरावट					
		0 से 2		2 से 4		> 4		0 से 2		2 से 4		> 4	
नंदुरबार	18	5	27.8	6	33.3	3	16.7	4	22.2	0	0	0	0

***